# MONOPOLY PROFIT DETERMINATION

COMPLIED BY

PRANAV SHEKHAR

ASSISTANT PROFESSOR

DEPARTMENT OF ECONOMICS

NOTES FOR BA PART-1

## लघुकाल में एकाधिकार में कीमत निर्धारण :—

लघुकाल में एक एकाधिकारी तब कीमत निर्धारण करना चाहेगा, जब वह आश्वस्त (Confident) हो सकेगा कि दी हुई परिस्थितियों से वह सर्वोत्तम लाभ कमा सकता है। एक एकाधिकारी की चेष्टा उस बिन्दु पर संतुलन एवं कीमत निर्धारण की होगी जहाँ वह सर्वाधिक लाभ कमा सके।

एकाधिकार में औसत और सिमांत आगम वक्र (माँग वक्र) दोनो नीचे की ओर गिरते नजर आते हैं (Downward Sloping)। इसका मुख्य कारण यह है कि यदि एकाधिकारी अपनी वस्तुओं की कीमत बढ़ा देगा तो उपभोक्ता अपने उपभोग की मात्रा कम कर देंगे और यदि वह अपनी वस्तुओं की कीमत घटा देगा तो उपभोक्ता अपनी उपभोग की मात्रा बढ़ा लेगा। अतः माँग और कीमत के ऋणात्मक संबंध को नीचे गिरते हुए माँग वक्र (Average Revenue curve) और सीमांत वक्र (MR) से दर्शाया गया है।

अन्य बाजारों की तरह एकाधिकार में भी लाभ तभी सर्वोत्तम होता है जब कुल आगम एवं कुल लागत का अंतर सबसे ज्यादा होता है।

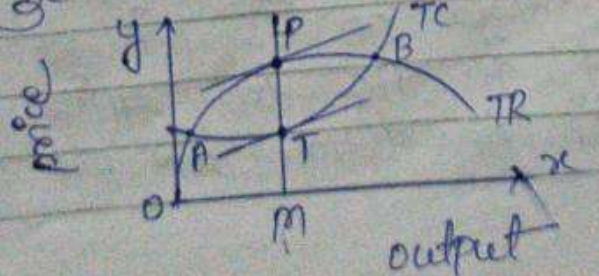

है जबकि OB प्राप्तियाँ को।

अत्यधिक लाभ की मात्रा = OB - OC

= BC

लेकिन सिमांत परिस्थितियाँ $T_2$ बिन्दु पर प्राप्त हो रही है, जहाँ SMR को SMC curve नीचे से काटता है एवं MR और MC बराबर होते है अर्थात MR = MC

इस प्रकार हम यह पाते है कि संतुलन बिन्दु से ऊपर P बिन्दु पर एक firm अत्यधिक लाभ कमा रहा है।

ii) सामान्य लाभ (Normal profit)

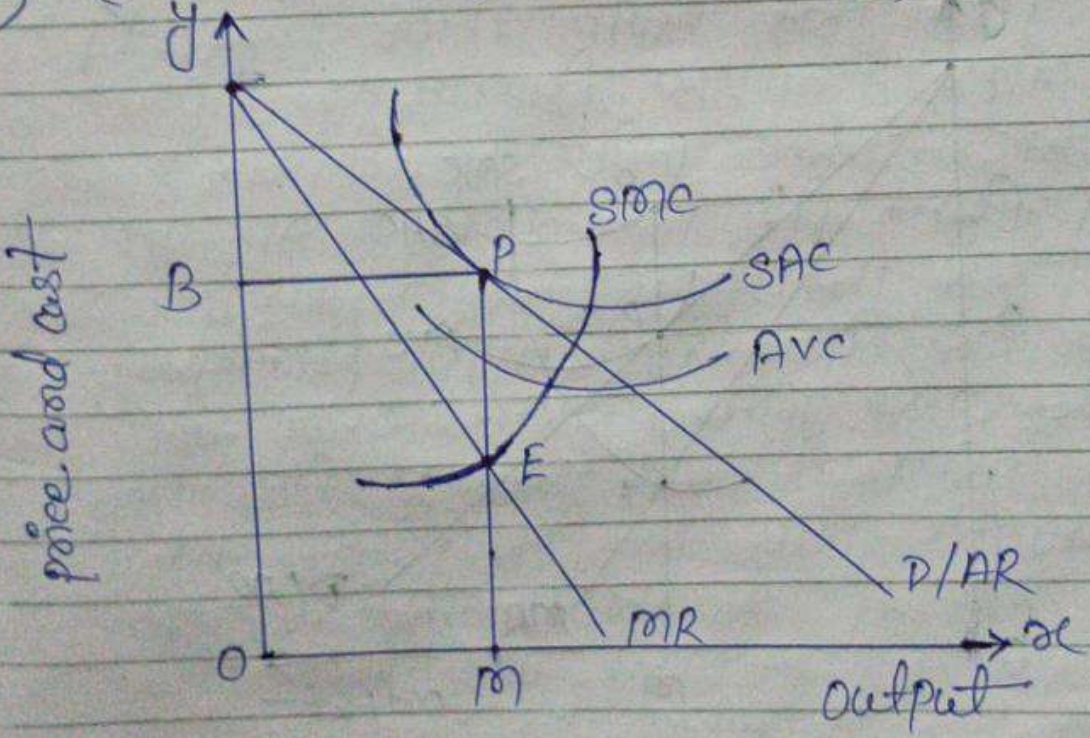


एकाधिकार में एक monopolistic तब सामान्य लाभ अर्जित करेगा जब एकाधिकार लाभ और मूल्य स्तर एकही बिन्दु $P_2$ पर स्थापित हो रहा है। सामान्य लाभ के लिए SMC

एकाधिकार में लघुकाल में कीमत निर्धारण की सीमांत विधि :—

सिमांत परिस्थितियों के अंतर्गत एकाधीकार में एक firm या तो अत्यधिक लाभ (Super Normal profit) कमा सकता है या सामान्य लाभ कमा सकता है या कुल परिस्थितियों में हानि भी उठानी पड़ सकती है।

अतः एकाधिकार में लघुकाल में तीन परिस्थितियाँ होती है :—

i) सामान्य से अधिक लाभ (Super Monopoly profit)

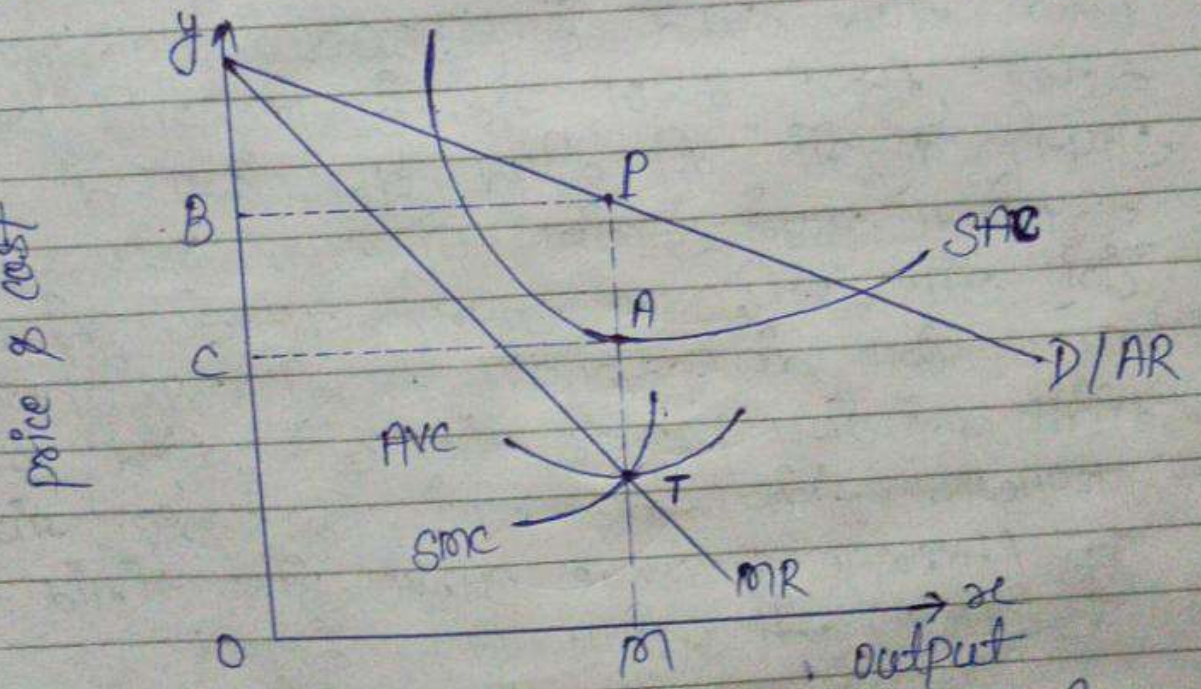




दिए गए चित्र के अनुसार एकाधिकारी के MR और AR को नीचे गिरता हुआ दिखाया गया है। हम यह देख रहे हैं कि एक वस्तु के उत्पादन की लागत OC है एवं उस वस्तु को विक्रय करने के बाद जो प्राप्ति होती है वह OB है। यहाँ OC कीमत और लागत को दर्शाता

और MR curve के संतुलन को दर्शाया गया है जिसे बिन्दु E में दर्शाया गया है। बिन्दु E पर OM output की मात्रा है तथा MP price की मात्रा है। चूँकि SAC curve, AR curve के tangent है बिन्दु P पर। इसलिए एकाधिकारी केवल सामान्य लाभ अर्जित करेगा। P बिन्दु पर उपभोक्ता के लिए वस्तु की मात्रा OM है एवं उपभोक्ता के लिए कीमत स्तर OB है। जिसपर एकाधिकारी सामान्य लाभ अर्जित करेगा।

iii) हानि की स्थिति (Minimum Loss) :-

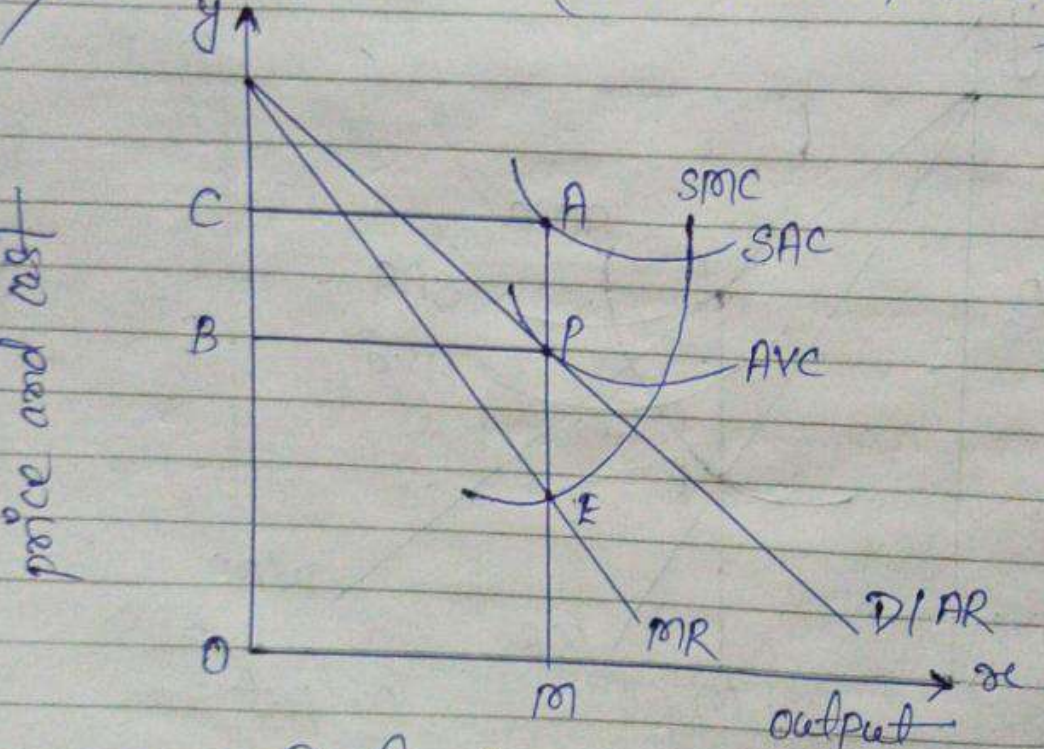


एक एकाधिकारी को लघुकाल में हानि भी हो सकती है। जिसे दिए गए चित्र में ACBP क्षेत्र द्वारा दर्शाया गया है। क्योंकि जो मूल्य एकाधिकारी द्वारा निश्चित किया गया

है वह SAC cover (अर्जित) नहीं करता। वह सिर्फ AVC अर्जित करता है जिसे 'P' बिन्दु से दर्शाया गया है। एक Firm हानि की स्थिति लघुकाल में हानि की स्थिति में भी तब तक उत्पादन जारी रख सकता है जब तक SAVC cover करेगा।

दीर्घकाल में एकाधिकार में कीमत निर्धारण :-

दीर्घकाल में भी एक एकाधिकारी सामान्य से अधिक लाभ कमा सकता है। क्योंकि एकाधिकार बाजार का वह स्वरूप है जहाँ दूसरे प्रतिस्पर्द्धी Firms की प्रवेश (Entry) पूर्णतः वर्जित होता है। इसलिए यदि एकाधिकारी सक्षम है और अपने संसाधनों का सही इस्तेमाल कर रहा है तो वह दीर्घकाल में भी सामान्य से अधिक लाभ कमा सकता है। एक एकाधिकारी दीर्घकाल में प्रतिस्पर्द्धा की कमी के कारण सामान्य लाभ कमा सकता है या उसे नुकसान भी हो सकता है। मगर एक एकाधिकारी के पास दीर्घकाल में पर्याप्त समय होता है कि वह लाभ को सर्वाधिक कर सके।

एकाधिकार बाजार

चूँकि दीर्घकाल में अन्य Firm की Entry पर रोक है इसलिए दीर्घकाल में भी एक Firm, Super Normal Profit कमा सकता है।